आज मेरे घर राज पधारे
आनन्द अंग अपार रे
धन धन भाग हमारे

1--प्रेम पांवड़े मैं डारूं पिया जी को
जियावर प्राण आधार रे
2--सुख सेज्या पर आये जियावर
बोलूं मैं जय जय कार रे
3--तन मन जीव करूं मैं न्यौछावर
पूरी है इच्छा हमार रे
4--साज सिनगार आरती उतारूं
आनन्द अंग अपार रे
5--रस पकवान बहु विध मेवा
प्रेम से भोग लगाओ रे
6--चर्चा चितवन धाम सुनाकर
जन्म मरण दुख जाये रे

Nijanand App